[This question paper contains 6 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 6364 **E** **Your Roll No.....**

Unique Paper Code : 213401

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit**

Name of the Paper : Paper XII : Nationalism and Indian Polity
(राष्ट्रवाद एवं भारतीय राजशास्त्र)

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. **All** questions are compulsory.
3. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

भाग 'क'
(Part 'A')

1. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : (4+4=8)

(i) राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न

P.T.O.

(ii) नागरिकता

(iii) सांस्कृतिक चेतना

(iv) स्वाधीनता

Comment on any **two** of the following :

(i) National Emblem

(ii) Citizenship

(iii) Cultural Consciousness

(iv) Independence

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए : (3)

(i) मानवतावाद

(ii) धार्मिक सद्भावना

Comment on any **one** of the following :

(i) Humanism

(ii) Religious Harmony

2. 'भारतवर्ष' नामकरण की समीक्षा कीजिए । (7)

Critically examine the name 'Bhāratavarṣa'.

अथवा / OR

भारतीय राष्ट्रवाद के क्रमिक विकास की विवेचना कीजिए ।

Discuss the gradual development of Indian Nationalism.

भाग 'ख'
(Part 'B')

3. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (3+3=6)

(i) वैदिक राष्ट्रीयगीत

(ii) अथर्ववेदीय भूमिसूक्त

(iii) रामायण में सुग्रीव का भूमण्डल भ्रमण

(iv) विष्णुपुराण (2/3)

Comment on any **two** of the following :

(i) Vaidika Rāṣṭrīya Gīta

(ii) Atharvavediya Bhūmi Sūkta

(iii) Bhūmaṇḍala Bhramaṇa of Sugrīva in Rāmāyaṇa

(iv) Viṣṇu-Purāṇa (2/3)

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए : (4)

(i) मथुराप्रसाद दीक्षित

(ii) श्रीगान्धिचरितम्

Comment on any **one** of the following :

(i) Mathurāprasāda Dīkṣita

(ii) Śrigāndhicaritam

4. 'सत्याग्रहगीता' के आधार पर महात्मा गांधी के राष्ट्रीय विचारों का वर्णन कीजिए। (7)

Describe the national ideas of Mahātamā Gāndhī on the basis of 'Satyāgrahagītā'.

अथवा / OR

'शिवराजविजयः' के प्रमुख प्रतिपाद्य की विवेचना कीजिए ।

Discuss the main contents of 'Śivarājavijayah'.

भाग 'ग'
(Part 'C')

5. भारतीय राजशास्त्र को कौटिल्य के योगदानों का वर्णन कीजिए । (6)

Describe the contributions of Kauṭilya to the Indian Polity.

अथवा / OR

भारतीय राजशास्त्र के स्वरूप और महत्त्व का वर्णन कीजिए ।

Discuss the nature and importance of Indian Polity.

6. (क) निम्नलिखित में से किसी एक पर टिप्पणी लिखिए : (4)

(i) शुक्राचार्य

(ii) भीष्म पितामह

Comment on any **one** of the following :

(i) Śukrācārya

(ii) Bhiṣma Pitāmaha

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक पर टिप्पणी लिखिए : (4)

(i) चतुर्विध उपाय

(ii) त्रिविध शक्ति

Comment on any **one** of the following :

(i) Caturvidha Upāya

(ii) Trividha Sákti

7. वैदिककालीन सभा और समिति पर एक निबन्ध लिखिए। (6)

Write an essay on 'Sabhā' and 'Samiti' of Vedic period.

अथवा / OR

बौद्धकालीन सोलह 'महाजनपदों' पर एक लेख लिखिए।

Write an essay on sixteen 'Mahājanapadas' known during Bauddha Period.

भाग 'घ'
(Part 'D')

8. वेदों में वर्णित राजा के स्वरूप और निर्वाचन की विवेचना कीजिए। (6)

Analyse the nature and election of a king as described in the Vedas.

अथवा / OR

ऐतरेय ब्राह्मण में प्रतिपादित 'राजा-महाभिषेक' का वर्णन कीजिए।

Describe 'Rājā- Mahābhiṣeka' as explained in the Aitareya Brāhmaṇa.

9. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए: (4)

(i) राष्ट्रभृत् होम

(ii) राजसूय यज्ञ

Comment on any **one** of the following :

(i) Rāṣṭrabhṛt Homa

(ii) Rājasūya Yajña

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए: (4)

(i) नीतिवाक्यामृत

(ii) गांधीगीता

Comment on any **one** of the following :

(i) Nītivākyāmṛta

(ii) Gāndhī-Gītā

10. मनु के अनुसार राजा के कर्त्तव्यों का वर्णन कीजिए । (6)

Discuss the duties of a king according to Manu.

अथवा / OR

शुक्रनीति में प्रतिपादित नीतिशास्त्र के महत्त्व का वर्णन कीजिए ।

Discuss the importance of Nīti-Śāstra as explained in the Śukranīti.